

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2011

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ताजिक शास्त्र)

- 07 जुलाई 1981 मंगलवार को 19:05 बजे रांची में जन्में जातक के लिए वर्ष 2011-12 के लिए वर्ष फल बनाएँ।
- वर्षेश चयन करने की प्रक्रिया का वर्णन करें।  
नीचे दिए वर्ष फल का वर्षेश  
लग्न-मकर 2:31, सूर्य-धनु 06:07, चन्द्र-मिथुन 16:09, मंगल-धनु 16:44,  
बुध-धनु 1:13, बृहस्पति-मीन 1:20, शुक्र-तुला 20:33, रानि-कन्या 22:07,  
राहु-धनु 8:43  
पंचवर्गीय बल-सूर्य 5.93, चन्द्रमा-7.55, मंगल-9.48, बुध 8.51,  
बृहस्पति-11.88, शुक्र-12.22, रानि 7.98  
पंचाधिकारी : मुन्था स्वामी-बुध, जन्म लग्नेश-मंगल, त्रिराशिपति-मंगल,  
दिनरात्रिपति-बृहस्पति, जन्मतिथि-21.12.1972, समय-14.35 बजे  
स्थान-जम्मालमगुडु (आ.प्र.) वर्ष फल 38 वे वर्ष के लिए।
- उपयुक्त उदाहरण के साथ तीन प्रकार के इत्थसाल योग की व्याख्या करें।
- निम्नलिखित की गणना करने के लिए समीकरण का वर्णन करें।  
(क) पुण्य सहम-सामान्य शुभता (ख) यश सहम-प्रसिद्धि  
(ग) सामर्थ्य सहम-क्षमता (घ) देशान्तर सहम-विदेश भ्रमण  
उपरोक्त की गणना प्रश्न क्रमांक 2 के लिए करें।
- संक्षिप्त टिप्पणी लिखें  
(क) दीप्तांश सीमाएं (ख) मुन्था का महत्व  
(ग) रद्व योग (घ) ग्रह दृष्टि

### भाग-II (मुहूर्त)

- विवाह मुहूर्त तय करते समय ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण तथ्यों की व्याख्या करें।
- उत्तर दें :-  
(क) मुहूर्त में जन्मराशि तथा जन्म नक्षत्र के महत्व का वर्णन करें।  
(ख) नक्षत्रों के वर्गीकरण की व्याख्या करें।
- भद्रा से आप क्या समझते हैं? क्या यह शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त है? व्याख्या करें।
- व्याख्या करें :-  
(क) पंचांग शुद्धि (ख) अभिजित मुहूर्त और अभिजित नक्षत्र  
(ग) कुम्भ चक्र और कलश चक्र शुद्धि  
(घ) तिथि पंचक की गणना
- मुहूर्त में एकाविंशति महादोष से आप क्या समझते हैं? इसके निवारण की विधि बताएं।